





ॐ नमो भगवते वासुदेवाय  
विष्णवे नमः  
इति निगात  
केसनिपातात्  
स्वर्गप्रयोगात्  
। इति निगात  
कृते सः अपिः  
पञ्चमाष्टकां पंच  
दद्यात् पूज्यायाः

[illegible]





सिद्धि



सिद्धम्

ਸਾਂ

四

सं

मन

कायि जक

कविभक्त

五

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ वाचं धेनुमुपासीत ॥ ॥ नमः ॥ निमित्तकारण  
मु॥ ॥ गीतनिपादितकृष्णचनकमकर्मकमनाथं ॥ ॥ कं  
पाकअतिष्ठः वनकथासः ज्ञाननः नाललाचकः दधूसथात  
हः चतुःस्रज ॥ अजसः कृष्णः स्वअससि कृष्णः रुजानकासि  
अनः अयासुअनमलुतः अजसमनास्यान ॥ प्रज्ञातानकथा  
नयादुज ॥ ॥ वाचपिनाकाया ॥ ॥ वानासः लंखनयाउ



नमोऽस्तुतयाडा ॥ ॥ श्रीसूर्यदत्तसुनविय ॥ ॥ पुन  
काडा ॥ ॥ स्वस्तिस्तुतुके ॥ ॥ पूजातलसंकल्पयाक ॥  
वतुःसुतःकृतःसिद्धमःसंगःमनाःयुतिनासुतावसुधन  
यक ॥ ॥ तत्तमन्यदानके ॥ ॥ पद्मगवस्तुनके ॥  
पद्मगवदिय ॥ ॥ ॐ नन्दातदाजयाशुभ्याकयिलाव  
कृपावतिस्तुवेषापविनास्तार्यःपवित्रायवःमहाकात्रकाना

५  
यःदेहिमेपद्मगवके ॥ ॥ स्वाकान्य ॥ ॥ ताशुतः  
हनाथःरुपनमश्चनःकृतपालसंःतिनापंरुगवधाय  
गुःप्रसन्नरुसविस्त्रायमानःकृनिमिस्त्रिभुतसाःसंपूनाया  
परुक्तःअर्थनखअःहनेनित्वकर्मःकृतवनाःरुदव  
ठाःस्वस्तिदवनाःपूजानयायअर्थनःॐ श्रियायनिर्मिनि  
नखअ ॥ ॥ हनेवानखवेत्तसःमापवव्रठाःदुखवि



यागुः मत्रमूत व्यागया कागुः ररना कागुः पापरू क गु अर्थः  
कलपाल सनंजिनायं कृ गवा अयागुः पुसंनरु सवि स्यायमा  
ल॥ १ ॥ कायवाकविलुः शुद्धार्थः दृग्गतिः यत्रिः श्रव  
नायः महाकात्रनिकामनार्थं दहिमपं कृ गवा कं॥ ॥ ए  
गुत्रः रुद्रपा अकः काय अयागु सत्रिः वाक अयागुः कृ  
दुः विलु अयनूगत्रः अश्वनाः श्रव नयायः अर्थनखशः

हनं दृग्गतिः आनममात्रकं अर्थनं खशः जिटापं कृ गवा  
अयागुः पुसंनरु सवि स्यायमा ल॥ २ ॥ अस्पखजिनह  
कंः सर्व अगु विश्व चकंः महाकात्रनिकानाथं दहिमपं कृ  
गवा कं॥ ३ ॥ लोकत्रना अकः रुगुत्रजि रूलसांः अत  
कगुः वस्तुः तक्रया कादयिः तक्रया सविः जिगु सत्रिः  
पापनं लेपन रूलः अलेपन रु अगुः संपूर्णः श्रव नयाय



अर्थेनः किं नापंरु गवः अया गूप्सं नरु सविष्ठा यमान॥

५ ॥ थनापंरु गवविय॥ ॥ ॐ नडात नडाया शमया

कपिलानः कृपा वनिः सर्वपायविष्ठा सार्थदहिमपंरु गवकं

॥ ॥ पंरु गवया साकारे ॥ ॥ रुवालकिः रुसिखन

ठः गरिगुत्थपंरु गव अलजः संपूर्णपापनासरु ३ः

गत्य अलसाः रुवालकिः नडा अया आः निलवर्णकः

साया ॥ १ ॥ रुडा अया आः दुयिक्तः साया धल

॥ २ ॥ रुया अया आः आसुक्तः साया सो ॥ ३ ॥ सोम्या

अया आः आउं आसाया ले ॥ ४ ॥ कपिना अया आ

आउं आसाया दद्र ॥ ५ ॥ थनयंरु शमयायाः पंरु

गवविय अनः कनसालि लसुधरु वः चका गुनं आ हा

दयक सविष्ठा नं ॥ ॥ पंरु गवयाः गवह दहिना आ



अनेत्रिव रुमा या ना पूजा या य व ॥ ॥ स्वतु व सु आतयः आः  
ध्रुपः आनया तप ॥ ॥ गिरु नि सर्व दवा नाः सित्र जी य नि  
मं नि तः प्र हृ व द्याः मिनि पा काः कला नं प्र हृ खा द सः हं स न  
थ मा त्र धं सु ना हा जः हृ य ध वः ऊ टा म कू ठ ध वं सा नः सर्व ह  
सि त लि च तंः म गं क ज ल रा क्ता तंः सूर्य स्व ता वि म्ब काः ॥  
न व स न सं ला तः हृ षि टा स्व ट व न नः स्रु आ व धिः वि द्र वि थूः

ओ स धि दानि सि क तः ग ग क सः त्रि स ता प ज्ञ न सिः स मा त्रि  
नः कू म द्वा स त्र सं रु धाः प स हृ ल नु वि का स निः सं प्र हृ व रु मा  
पा काः आ न प्र षं न म स्रु ते ॥ ॥ पा नार्थः सिं धु रः स्वा द्वा  
यः नै व य द्वा यः म ठा वि य ॥ ॥ प्र ष न्या स ॥ ॥ ॐ सा मा  
य न म स्वा हा ॥ ॐ प्र हृ व द्या न म स्वा हा ॥ ॐ क्रि त्रा य न म स्वा  
हा ॥ ॐ स्व द्या य न म स्वा हा ॥ ॐ ना ना य न म स्वा हा ॥ ॐ य  
न म



क्रायनमस्वाहा॥ ॐ कसना नमस्वाहा॥ ॐ कर्त्रे कायनमस्वाहा  
ॐ क्षमाय नमस्वाहा॥ ॐ आविन्द्वे नमस्वाहा॥ ॐ चन्द्राय न  
मस्वाहा॥ ॐ क्षीनिसा नमस्वाहा॥ ॐ उदिमा सूर्ये नमः  
स्वाहा॥ ॐ उग्रहणत्र कायनमस्वाहा॥ ॐ मम गा कायनमस्वा  
ॐ सहजत्राय नमस्वाहा॥ ॐ ॐ अमृतकत्राय नमस्वाहा॥ ॐ  
ॐ नात्राचिपतिनमस्वाहा॥ ॐ नृजतिनमस्वाहा॥ ॐ नृषा

मन्त्रानमस्वाहा॥ ॐ अजितां सर्वे नमस्वाहा॥ ॐ ओ उदयान  
नमस्वाहा॥ ॐ अंस कायनमस्वाहा॥ ॐ असंसात्रयतिपात्रे न  
मस्वाहा॥ ॐ अस्रनिनमः त्रनिनमः कृनिकायनमः त्राहि  
निनमः मृगजिनाय नमः आदाय नमः प्रनवसूरय नमः प्रथा  
नमः अस्रनेखाय नमः मद्याय नमः पूर्वरागुनियनमः उत्तर  
रागुनियनमः हस्ताय नमः विद्याय नमः स्वादियनमः विष्ण



स्वायम्भुवः नमः अश्विनः नमः सुधाय नमः मृत्युंशु नमः पूर्वोक्ताय  
नमः उत राखाय नमः शुवनाय नमः धन्याय नमः जगति  
स्वायम्भुवः पूर्वोक्त्याय नमः उत राखाय नमः शिवनि नमः राय न  
मः ॥ राखा ॥ सुनि ॥ ॥ अयनि कर्मद वधुः कामि  
निः नेति सुधुः पतवनिः तव विहस्रं विन्दः कन्याः न विन्दः  
गिरुवनः सुखसुखः माननि नमः कामिः विन्दः सुदयाः य

त्रं क्रिन्नायः विहनि ॥ द / ॥ यना <sup>अ</sup> तल्लसः पिवाक सचाद  
श्रीसूर्यप्रकाश ॥ ॥ अयया अशः सुताव सुधनय ॥ आकर्षेन  
धूपः पाठार्थतयः सिधुनिकः ऊरुमकाः स्वाकायः नैव अका  
यः मनावियः स्वा अमय ऊक सुद दना ॥ ॥ प्रयन्या ॥  
॥ ॥ ॐ मखनासि गनि श्रीसूर्याय नमः ॥ ॥ ॐ वरुना  
सिगनि अक विधुका सुसुता सुवनम ॥ २ ॥ ॐ मिथुनया



गनः श्रीसूर्यायसुविनायनम॥ ३ ॥ ॐ कर्कशासिगनः श्रीसूर्या  
यबुयकनेनम॥ ४ ॥ ॐ सिधनासिगनः श्रीसूर्यायतासुना  
यनम॥ ५ ॥ ॐ कन्नाशासिगनः श्रीसूर्यायदवाकनायनम  
॥ ६ ॥ ॐ दुनालासिगनः श्रीसूर्यायविस्तसुवेनम॥ ७ ॥  
ॐ विरुनासिगनः श्रीसूर्यायनदुपेनायनम॥ ८ ॥ ॐ  
धनूनासिगनः श्रीसूर्यायतानूवेनम॥ ९ ॥ ॐ मङ्गना

सिगनः श्रीसूर्यायप्रताकनायनम॥ १० ॥ ॐ कृतना  
सिगनः श्रीसूर्यायश्रकायनम॥ ११ ॥ ॐ मिननासि  
गनः श्रीसूर्यायश्रहकनायनम॥ १२ ॥ ॐ मघकायश्र  
दित्यायनम॥ ॐ सिनासुवसायायनम॥ ॐ नकीगक्रमा  
नायश्रगायायनम॥ ॐ नागपुगायवृक्षायनम॥ ॐ हागासि  
नयवृरुपनियनम॥ ॐ लकायसुकायनम॥ ॐ निनवर्क



यस्य निवेद्याय नमः ॐ अमृतपियाय नमः ॐ अमृत  
कवच नमः ॐ सुता ॐ वेदन नमः ॥ ॥ गायः यय  
वानः सुनि ॥ ॥ भासा च कात्रः मर्जनानां नानाः ह्यना  
नती स्मिति कृतः वृद्धवत्तः ननं नमाभिषेता कृतः ॥ सुभा  
सा च कात्रः सुत्रविप्रताविताः कानि सिधुन शतः न मा  
नित्रुना काः अवक सुम समं विन्नः ॐ उ कानिः वलु क

॥ ॥ अमृतसमृदिताः द्वि रूजय मपानिः यमना ग्याः य  
मना गः मनित्रुवित्रमाः सुय विम्व ॥ ६ ॥ ॥ अ न धून का  
अ ॥ ॥ सगनः श्री न किमिः वेखा दन प्रजा ॥ सुता व सु  
अनयः सुसा यः याना यन यः सिद्ध नि कः अम का का य  
अवा का यः मना वि यः सांफे न या य ॥ कि ग्वन टा ल ॥  
सिख्य प्रनि ला ॥ ॥ ये व भा ना ॥ ॥ निना जन ॥ ॥



मना ह्यः ता सा व ऊः त्वयः सग न विय ॥ ॥ क्र स्तंः या न व स

या यु नः ल व ह्या य ॥ ॥ सि द्रं मंः न कि नि नः आ न का अः

सि द्रं का य के ॥ ॥ अ य म हा वा क का या अ सि द्र का क ॥ ॥

उ या नाः वा न ॥ ॥ य द्वा अ र्ध या यः सा रू रूः आ वि रू अ

ता य अ ॥ दा हा लाः गु न टि या गु ॥ ॥ य कृ त तः वा कः

१ हा ता ल्यः स र्व ग रू रूः स रू यः य जा य न य रूः ला ग सा का

ता ल कृः दू र्वा पि दानि वा न नाः पु ण द नुः कृ त्र म हिः न कि

स सि निः व श नं कृ त्र त सा ल्य दाः वि दूः पू र्व सूर्यः न म स

न ॥ ॥ न कि ध तं दान के ॥ ॥ कि ग ना न ॥ अ न का

अः म कृ त वि स रू न या न क ॥ ॥ द कि ना न य के ॥ दं १२

च नु मा ॥ दं १२ सूर्य ॥ द्वा नि ॥ स गंः क्र स्तंः सि द्रं मंः म नाः

दं १२ द कि ना दं ॥ द्वा नि ॥ ॥ सि द्रं त्र य ॥ ॥



सगननयः हादिकि नाकायः क्रानि॥ ॥ स्वाकाकायः ॥  
मठातडाकाय॥ ॥ क्रस्केः सिद्धमंः जानकाः पिरवा ना  
खुः चूयककाय॥ ॥ स्वाप्रसकलः आहयागुनः रवीसि  
नयककाय॥ ॥ निवाभवनकविदिसमाफ॥  
काथासः कलसथपनायाडा॥ ॥ कुमानिपूजायायगु  
थय॥ ॥ थापना॥ कनेसः सगंगलसः महंकालः ग

माताः वानकुमानिः मामकिः वेस्मननः कूलदवताः  
सुदवताः स्वनिंदवठाः ऊरुनि॥ ॥ थूनिथपनाया  
डाः प्रजातासंकनपयाक॥ नकिने॥ ॥ हतावसुधन  
यकः आर्कखयाय॥ ॥ गृत्रमलुनयानः सिद्धमप्र  
जायायः स्वासिद्धनयक॥ ॥ उद्याना॥ मलुलविस  
जनयाय॥ ॥ समाधिथाय॥ ॥ कलसप्रजाः उथ



१ क न सः स गंः ज ने सः म हा का नः श म मा त्राः वा न रू मा नि ॥  
 मा म किः म नः ॥ मा ह नि ॥ ॥ अ प या न्ताः सु ता व  
 शु भ न य ॥ ॥ अ क र्वे न य यः क न स या न य न य  
 ॥ व ज म न द्र न य ॥ ॥ नि ला ऊ न या यः पा ठ र्थ न यः  
 सि द्ध नि कः अ क र्वाः स्वा क्रा यः अ थ न कि न यः स क  
 य क्रा यः म ता वि यः न्वा क्रा य ॥ ॥ स्वा र्थ या यः अ र्थ

वे ना व ना य स्वा हा ॥ आ यि वृ य न म स्वा हा ॥ ॐ ग र्ध ण नि य  
 स्वा हा ॥ ॐ म हा का त्रा स्वा हा ॥ ॐ न द्रा य स्वा हा ॥ ॐ वं व रू  
 वा ना हि य स्वा हा ॥ ॐ मा म कि द वि य स्वा हा ॥ वे स्वा न ना  
 य स्वा हा ॥ अ त नि य न म स्वा हा ॥ ॥ ला न्था ॥ च क्त  
 वा द नः दु नि ॥ ॥ अ ना सा ना द व प्र काः अ प या डा स्  
 ता व शु भ न य ॥ अ क र्वे न य ॥ ॥ नि ला ऊ न या य ॥



समानयाय॥ ॥ यानार्थनयः सिद्धनिवकः उरुमका  
नयः स्वांकायः समयकायः मनावियः न्याकायः स्वांकायः  
याय॥ ॥ ॐ आर्यावनाचनाय स्वाहा॥ ॐ प्रहाराय नमि  
नाय नमस्वाहा॥ ॐ आर्यावनाकिन ग्वयनमस्वाहा॥ ॐ  
वंवज्जवानाहि कूं कूं रुट् स्वाहाः ॐ यामिनिदविय कूं रुट्  
स्वाहाः ॐ कीमामाहनि कूं कूं रुट् स्वाहाः ॐ रुडिं संचा

ननिय कूं कूं रुट् स्वाहाः ॐ कूं कूं संचा ननिय कूं कूं रुट् स्वा  
हाः ॐ रुट् रुट् चलि काय स्वाहा॥ ॥ ॐ रुवजाय स्वा  
हाः ॐ रुसनव र्त्तय स्वाहाः ॐ धादगह्मयाय स्वाहाः ॐ  
दिगं वनाय स्वाहाः ॐ वडुविमनि नगाय स्वाहा॥ ॐ  
नेनात्माय स्वाहाः ॐ गेलिय स्वाहाः ॐ निय स्वाहाः  
ॐ वनात्रिय स्वाहाः ॐ यस्मत्रिय स्वाहाः ॐ प्रसकः



[illegible]

नमः दिगं वल ह्यः नैत्रा न मालि गिनानित्यः हव जाय नमस्तु  
ने॥ नमस्तु ने नैत्रा सा यनि रा त्रं चः निरा का ल निर्विक  
रत्यः स्व रूपि नी नैत्रा सा वन दा दविः नित्यं नित्यं नमस्तु  
ने॥ प्रक वक्ता विन कुचः उर्ध्व पिङ्गल शूद्रः ऊक न कर्त्तिक  
पा न रु न मा मि विष्णु पा न रि॥ वक्ता विष्णु लि च कुः पा  
न दा रद वि न स्य तिः नैला क मा हा ने द विः न मा मि स्तु



सुंदरिः सर्वतुल्यमिदं विः सर्वसुखप्रदं धनिः सर्वसुख  
मयिमानाः नैनात्मापुनरामिहं ॥ ॐ ॥ यश्च मा  
हृष्टता सुखं नाना आनित्रययिवंवादिमहासुवन ॥  
आसिद्धाविव ॥ ॥ दत्तदक्षिणानय ॥ दं १२ क्रानिः  
दं ५ वा ॥ दत्तदत्ता ॥ ॥ मल्लविर्सेननयाय ॥ सग  
काकाय ॥ सगंदनाद्वयः सगंदनाद्वय ॥ सिद्धसंगंनि

यः हा ॥ दक्षिणाकायः क्रानिदक्षिणि ॥ मल्लविर्सेनविषय  
कल्याणां ॥ दत्तसुकोकायः दत्तसुजनेः सकल्याताः साहा  
यायक ॥ मामकिर्विर्सेननयाय ॥ धनासाधननयाय ॥  
दत्तनामात्रकोनय ॥ ॥ सकल्यानाकायः सकल्या  
कायधूनकाशः सकल्यानयः द्विजाय ॥ ॥ माहनिका  
कायः दत्ताकाय ॥ माहनिनितिक ॥ ॥ ॐ ॥ यश्च न  
य ॥ स्वाकाकायः सकल्यानाकायविषय ॥ ॥ गहसः महा



कानः कुरुपाने नयक कुर्यात् ॥ ॥ नित्कमानि पूजा समाप्त

॥ त्रिकुमानिपूजासमाप्त ॥

यत्नसहितश्चा लोकन॥

॥सम्पत् १०००॥

हृदि न राज ज स्वाध्यायन के गुण सारु वायसि चय कागु

दिनशुल ॥

॥ त्रिशिवं लाव जा बा झुः चू दा म नि नं

नदुःखायुनिहंर्यनाशायविशारुभाः॥७३॥...॥

३७ सामहि

卷之四

第廿

五

मन्त्र



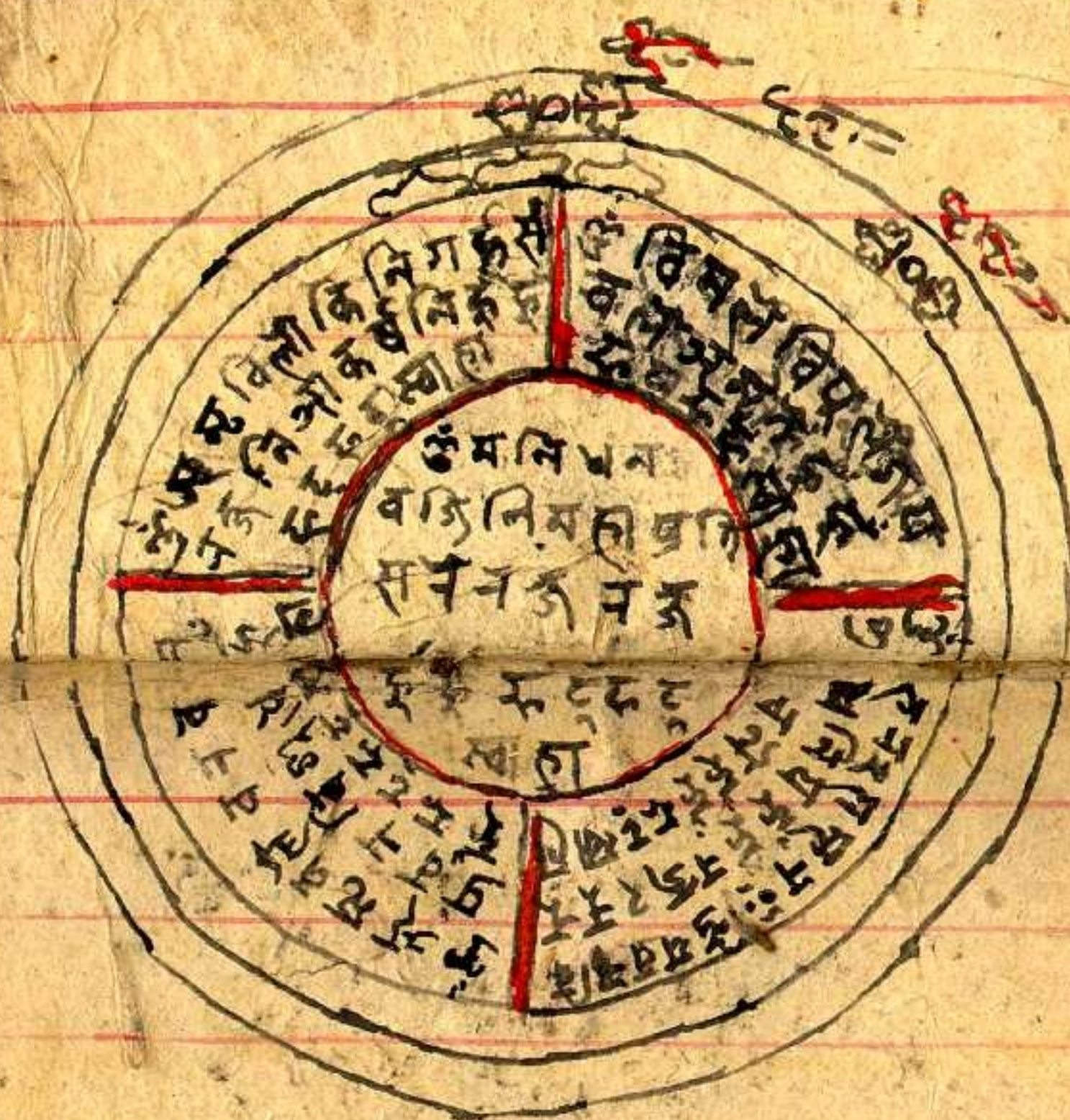






मकर नक्षत्रा या मंत्र ॥

प



प



वज्रसूत्रसंज्ञा

ॐ नमो श्रीवज्रसत्ताय ॥ द्रुपां ॥ वधधर्मसंघं च ॥ गुरुवधवाधिसत्त्वस्थानम्  
अतिगच्छन्नागतं वधनपुत्रं यन्मया नमः ॥ दसदिगसंस्मिताः सर्वलोक  
अडस्तु ॥ वधनानपुत्रापात्रमिह नमो ॥ वाधिसत्त्वा माहासत्त्वान् ॥ गुरु  
श्रीवज्रसत्त्वानमो ॥ सर्ववधवाधिसत्त्वस्थानम् ॥ वधसत्त्वनमो ॥ धर्म  
सत्त्वानमो ॥ सर्वसत्त्वानमो ॥ सर्वपापपुत्रिदसयासिंहं ॥ सर्वद्रव्य  
मानम् ॥ लनाङ्गम् ॥ मेष्टिकरुणामुदिताङ्गम् ॥ चक्रवर्त्तुविहाय ॥ धननत  
मलुनकाय ॥ धनलि ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥



चाक्षः पक्षः मूडा निया चोक्ष ॥ वज्र आसन या ना चोक्षः थथिक्क वज्रसुस या  
 छ ॥ नत्वमलु लदा हलपे ॥ थन अरु छ लिह का य ॥ थनैलि ॥ ॐ आ ह ॥ का  
 य वा क चित्त न ॥ थ व ग सु सिल नै का य ॥ थनैलि ॥ पा प द स ना ॥ द्वा पा या  
 गू ज्ञ या गू पा य ॥ थ गू ज्ञ या गू पा य ॥ लि थ गू ज्ञ या गू पा य ॥ ज्ञ म र या य मा  
 लि गू पा य ॥ ना गः दः ख ॐ आ द र्क र्क म त ध का ला ण ॥ पा प द र्क नि धि ति  
 थ य थ गी ता थ क धू न ध र्क ला प ॥ प र्था नू मा द ना थ य ॥ पू न्य या स नि ड  
 रू ला ॥ थ ना दा स या य ॥ द व ग वि स्य र व नैः जा प या य ॥ य ध म्मा ॥ स गी त न  
 रू मा प न ॥ थ लि व र स ल गू नू पा गू ॥ य गू पू जा या र्सीः जी ग थ न या र्सी  
 थ लि न म स्का न या य माल ॥ ॐ वि व र स ल गू नू पा गू थ न जी ग ॥

~~आर्यगानायाथमना~~ कृपां गू नू व र स ल या थ न म स्का न या य ॥ स्व ता व सु ध  
 या ना ज ॥ स सा न र्क र्क म त ध र्क ला प ॥ आ का स सः ने नू पु ला र्कः गू नू व र द  
 नः प क्क व लु द गू ॥ गू नू ज्ञ या चो चो ॥ ना न द ॥ ॐ द वि नू द न ॥ ती को न वि ज  
 उ त्प ति रू ल ॥ उ गू वि ज्ञा र्क नै ॥ ॐ आ ह ॥ का य वा क चित्तः पु का स रू ल ॥ ॐ या व  
 र्कः उ य ॥ आ या व लु आ उ ॥ द या व लु आ चू ॥ तां का न वि ज्ञ या व लु आ उ ॥ दा ता  
 व लु द य का ॥ थ गू वि ज्ञा र्क नै ॥ प्र पु सा ल क थः जी गी ले ना ल र्क य र्क ॥ आ र्य गान  
 पु का स रू या वि ज्ञा न ॥ क पा र्था ल व लु आ उ ॥ ल लि न आ स न ॥ ज ज ला हा मि र  
 र य ॥ द वा ला हा मि नै ॥ ॐ स्वां गी नाः थ ज गू ह य थि का व ज्ञा ना जी न ॥ न त्व  
 म कू र्क पू या थो नः ज गी पा दः साः कू लि र वि नाः द व वा ह न को ला उ या थो  
 नः न जी न त्व या आ र न नै निया ची ना ॥ आ स न या को र्क आ ह प लेः थि कि आ  
 र्य गाना वि का न ॥ आ र्य गाना या ह द सः अरु द ल प क्कः जी र्क वा र्क अ का

अथ गानायाथमना



नादिः काकादिः आर्षा वा स वन्दु म लु लः आर्षा वा स वन्दु म लु लः आर्षा वा स वन्दु म लु लः  
 नां का न वि क उ श नि क आ । थ ग वि क म नु न ड ला वा न । थ ड ग स वि ड या ग  
 उ आ ह या ग न सि पु का स क मा डी : थ डी स वि न थो क क लः वि मि सा म्मा य नि क  
 न सि या हा डी या डी : आ का स स थ डी नः आ का स स क का ना ना या गः का व  
 वा क वि न मा गः उ आ ह या ग न सि थ डी ग स नि ड थ डी लः थ व ग का य वा क वि  
 न या ग उ आ ह न सि आ का स थो क ना ना या ग र व डी न नि क सि या ग न सि  
 दि क र या डी : स सा य स क रि न र व डी नः द वि ड नि डः न न क स वा न पि  
 सि माः ला हः ॐ या दि स क लः आ थ का ना क सः क र्थ लिः स क लः उ का या ग  
 न सिः लि स डी ना डी : आ का स वि श्वा क कः या क लि न क लः थ न सि द स दि

ग स थ डी नः द स दि ग स थो पि पू ज द वि पिं डी या डी : वी द स उ प च मः स मू ड  
 प्र सा नः पू ज या नः थ म न न ड ज या यः थ न लिः आ सि क र्थ नः थ डी क लि न  
 या यः वा वि श्वा क क आ थो ना नाः नि क न क क क लः ल र व सः ल व न य वे ल  
 थः नि ल क लः थ न क को धा न या यः ड प या य ॥ म लु पुं ना न डु ना न डु प स्वा  
 हा ॥ थ म लु नः वि श्वा क क ना वा उ ला उ डी : थ डी र डी वी न ला ल य ॥ क र्म सि वं पु  
 न या य । नू प्र सा नः वि क वा कि या य क ल ॥ उ ड क र्म को स यो डी : अ न नि वा न  
 अ का ना दि क का ना दि वा न । स ना क न वा न वा ३ । १ । १ । थ लि ध र्थ लि वि स र्ज  
 न या य ॥ ~~वि क ना ना ग धा न न मा य ॥~~ ~~न ना ना ना ग धा न न मा य ॥~~  
~~ग र्म क पां ॥ ग र व क स ल य वा दः न ल म लु ल द्यो ह ल यः ग र न म क्का न या य ॥ स~~

२५  
 न ना ना ना ग धा न न मा य ॥



१२  
 हा वृद्धि यथा ॥ १२ न्य २ सतां चैव खन स न हा येः २ नु प्र ता वं २ नु ख न द तः प च  
 न गि न न द डो गूः २ नु स्व या चो चोः नार्द नः ० नु वि नु द नः वि कि २ का न वि  
 उ उ त्प गि रु लः नि ल व र्णः ० आ रु का य वा क चि त द तः २ प्र सा गो क थः जा जी  
 ल मा न नं ने ना त्मा प्र का स रु लः २ ह ने ना त्माः नि न व र्णः क मा र्वा लः स्व ग मि वा  
 साः २ थो या चो नः २ कि या द थ सः २ की ह्यो न थ ग न वि द्या ना चो नः २ व ला हा  
 नि क हिः २ व ला निः २ या जी ना जी वि द्या कः २ व र्ण ग वि कू चा ना वि द्या कः २ दी द व  
 प त का सा चो नः २ दि गं व नः २ व न मू डा ति या चो नः २ आ स नः २ व न म लु लः २ म र्थ म  
 लु लः २ आ य कः २ का ना दिः २ क का ना दिः २ आ य क नि ल व र्ण दे ता नः २ आ य क च  
 उ न मा नः २ आ य क २ द ल प मः २ ह द य २ द न य मः २ आ य द नः २ का ना

दि क का ना दिः २ आ य द नः २ च नुः २ म र्थ म लु लः २ आ य द नः २ का ल वि जः २ कि वि  
 का रु न स न न उ ला चो न ॥ म का रु न नं थ उ २ गू नी थ थ म न का या चो नः २ वि द्या  
 रु न का गूः २ का य वा क चि त या गू न हिः २ आ का से व लः २ आ का से न नु प्र सा ना ॥ गू न  
 उ त्प गि रु लः २ गूः २ नु स्व या का य वा क चि त द तः २ वि द न तः २ प्र व न सा ल क थ जा  
 जी ल मा न नः २ आ ने ना त्मा प्र का स रु या वि द्या नः २ का य ग थ चोः २ चो य न २ थ चो  
 का य चो म सि या गू का य वा क चि त या गू न हि चो चो का या के र व लः २ चो चो चो क  
 सि या गूः २ सि का य चो क सि के व लः २ नि क सि या गू न हि कि उ रु या डाः २  
 सा य व ॥ थि वि द्या क ना न रु लः २ सि व र्ण २ थ सः २ क ल २ २ थ न रु न २ ह न द  
 म दि ग व र्ण नः २ द सा दि ग स चो धि पू जा द वि पि संः २ ना या य ध काः २ द स २ प  
 चो न नः २ म नु प्र ना नः २ पू जा या न ॥ थ म न पू जा या य ॥ २ ति का २ थ लि ध स



श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः

लिः धनपूजां दविपूः स्वयया के नीनरुलः धना वजा कसया नाडाः थडा क  
 विनया यरुलः धनरु कनं क क कलः धनरु की अनया यरुलः धन क  
 मसिन सुनया यः धनरु की स्वया रानेः धनडा ह गुरु नां क क य स लः ४०  
 ने नाल्प प्र का स रु या वि का र्थ लिः धन आ सि का रु नः धन आ का स वि न रु या  
 डा वि का र ता यः धन ती उ मा यः आ का ना दिः क का ना दि ना नः स गा उ न वा  
 न रु दि जा ना थ लि धु स लि वि स र्जन या य ~~॥ धि ने नाल्प आ ग धन ॥~~  
~~श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः~~ ॥ आदि द्रुवाः धन वरु स लया  
 न म ल्का न या न डाः न ल म लु ल दो ह ल्य ॥ आदि द की थ डा क सिल स वा  
 कः अ मि ता रु वः या क वि रु ल ल ल प ॥ धन रु द य स वा गः धिं वि रु सः थ

मनु उयकः ३  
 डां म नि प क्ष ह ॥ थु कि रु डा न उ य क ॥ धना न सि पि रु डा या  
 डाः स ल प्रा नि र्त्वा दि य त र व या डाः दू वि डा नि डः ना गि रु ना डाः थु पि  
 द क र व रु ज रु नाः धि मि स क सि नः म लु वा न ला यः धन रु द य वां ग म लु  
 नः म लु वा ना रु डा क थ उ लः धन थ म न रु ज प या यः म लु डा म नि प स ह  
 ज य या लाः स द म दू डा रु ज क स याः म क य रु या वा लाः स द म दू ॥ मि र वा  
 र व काः र व रु ज नि र व नः क स प न स द ता का म लु वा न ला य ॥ धन धिं वि  
 रु या रुः पू जां द वि पि र्थः क रु नः न सि पु का स रु डा म वा प डा या डाः थ डा व  
 रु ज नि रु या डा वा ला क या तः आ द स उ प चा न नः पू जा या ना डाः डा या क  
 नि न रु लः धन स ल प्रा नि व रु ज नि द कः थ डा क नि न या यः सिल स द व  
 कः अ मि ता रु व थ डा क नि न या य ॥ थ डा रु द य स वा गः प क स वि या य



समस्त भगवत्पूजायाः

स ३

पद्मसः चन्द्रसूर्यमन्दलविंशोयः॥ चन्द्रसूर्यमण्डलसः सप्तविंशोयः॥ सप्त  
दशः किंविदसंविंशोयः॥ किंविदसंविंशोयः॥ विंशोयः॥ विंशोयः॥ विंशोयः॥ विंशोयः॥  
यः विंशोयः॥ विंशोयः॥ विंशोयः॥ विंशोयः॥ विंशोयः॥ विंशोयः॥ विंशोयः॥ विंशोयः॥  
नमो विंशोयः॥ विंशोयः॥ विंशोयः॥ विंशोयः॥ विंशोयः॥ विंशोयः॥ विंशोयः॥ विंशोयः॥  
कोकोयाजः॥ गुरुललापाककाजुकयज्ञयाज्ञोः॥ खट्वज्जि०० स्व  
पदनिधकललापाजः॥ नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु  
नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु  
जागधनसमाफ॥ ॥ **इति सप्तविंशोयः॥** ॥ **इति सप्तविंशोयः॥** ॥ **इति सप्तविंशोयः॥** ॥  
पाशुवजसलयाजः॥ नमस्तु ललापाककाजुकयज्ञयाज्ञोः॥ नमस्तु ललापाककाजुकयज्ञयाज्ञोः॥

लसककमगधकाललापाजः॥ आकाससः०० नृविद्वपनदतः॥ थकियाद  
नचन्द्रमण्डलः॥ थदने०० सूर्यमण्डलः॥ थकियादतः॥ थदने०० विजदतः॥ थकियाद  
दूकात्रविजनेः॥ प्रपुलात्तकथः॥ जाजालमाननः॥ धर्मअउपकासकयावि  
कागः॥ पारवालः॥ रुडाययात्तलः॥ निलवर्तुः॥ जडासपितवर्तुः॥ लिननकवर्तु  
दपासः॥ स्यामवर्तुः॥ लाहाच्याकाः॥ मूललाहाकाः॥ धर्मचक्रमुद्राः॥ जडापति  
खट्वः॥ अजमालाः॥ सलः॥ खडपतिः॥ पातः॥ पासः॥ धनुकः॥ जवगुडलिकाकावि  
आककः॥ नलमकगदयाकाकः॥ धिवर्तुतिपाकाकः॥ सिंहआसमयाकक  
सकिः॥ आलिंगनायानाविआककः॥ सकिपाः॥ कपारवालः॥ नकवर्तुः॥ रुका  
लाहः॥ जडालाहातिः॥ कतिः॥ खट्वतिपातः॥ अकनादिः॥ ककनादि॥ इलाविआ



क कः थ ड ग रु द य सः ऋ क द ल प नः डी या द नः ऋ क ना दिः क का या दि  
 थ या द नः च नुः सूर्य म लः थ या द नः दैः क न वि नः थ या पि नः उं ध र्म  
 थ ड ग रु द य सः थ म ला क न नः थ ड ग थ म न वी ना डीः अ क ड ला डी चो न  
 थ डी रु द य स गू वि श्या क न म ल आ दिः थ व गूः का य वा क चि त याः न लिः  
 आ का स सं चो कः ध र्म थ ड या नः प लः ध र्म थ ड या न लि थ ड या न प य  
 डीः क गू न लिः दि न रु या डीः प धि वि श्या क मा न रु या डीः न लिः ख डी २ थ  
 सः क ल्य २ उ ध न रु लः रु न द स दि ग सः प लः द स दि ग स च वि पू जा द वि  
 धि सः स र ना या डीः पू जा या य ध क डी लः लो द स उ प च न नः स मू प मा नः प  
 जा या नः थ म न न पू जा या यः थ न आ सि का रु नः थ लि धू र्म लिः थ न पू जा द

न ३  
 वि पूः रु ख न या क वि न रु लः थ न व जां क स या ना डीः थ डी क वि न या य रु ल  
 थ न वि क रु क रु लः थ न रु को थ न या यः थ न क र्म सि न रु न या यः  
 रु रु वि नू पु मा न यो नः ख न म न रु ल पः थ स ग रु न वी ना ॥ १ ॥ ३ ॥ १ ॥  
 वि स र्ज न या य ॥ ० ॥ वि ध र्म थ ड या ग थ न स मा फ ॥ ॥ ॥

॥ डी न मा श्र ॥ उ ग रा ना य ॥

रु ग न रु न नि ॥ आ दि मा गा श्र ॥ रु स न का वि  
 नि स रु श्र त नु रु उ प्र क रु सि न रु न रु सु रु म

५



न न न न न न न न

धर्मरत्न वज्राचार्य सुरत श्री महाबिहार

II-76



ह न त न न न न न  
म ल ल म ल



LEVER VRE LRI PRHO

LEVER VRE LRI PRHO

LEVER VRE LRI PRHO

LEVER VRE LRI PRHO

LEVER VRE LRI PRHO

LEVER VRE LRI PRHO



Handwritten text in a cursive script, likely a medieval manuscript, written on aged parchment. The text is arranged in several lines, with some lines beginning with a red initial. The parchment shows signs of wear and discoloration.

Fragment of handwritten text on a separate piece of parchment, showing the continuation of the script from the main body of text.

Fragment of handwritten text on a separate piece of parchment, showing the continuation of the script from the main body of text.

Fragment of handwritten text on a separate piece of parchment, showing the continuation of the script from the main body of text.

Fragment of handwritten text on a separate piece of parchment, showing the continuation of the script from the main body of text. A small circular mark is visible on the left side of this fragment.



